Total Pages-02

# UG 2nd Semester Examination 2022

**Award: BA (Prog)**
**Discipline: HINDI**
**Course Type: AE**
**Course Code: AECCH201**
**Course Name: Hindi Communication**

**Full Marks: 40** **Time: 2 Hours**

*The figures in the right hand margin indicate full marks.*
*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*
*Illustrate the answers whenever necessary.*

1. **निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **1 x5=5**

क)नागार्जुन के एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए।
ख) कात्यायनी के एक कविता संग्रह का नाम लिखिए।
ग)शिवमूर्ति की एक स्त्री केन्द्रित कृति का नाम लिखिए।
घ)भारतेंदु के एक व्यंग्य प्रधान निबंध का नाम लिखिए।
ड)निराला के एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए।
च) 'वोल्गा से गंगा ' नामक कृति के कृतिकार कौन हैं?
छ)ज्ञान चतुर्वेदी का संबंध साहित्य की किस विधा से है?
ज)'नशा' नामक कहानी में आए एक पात्र का नाम लिखिए।

2. **निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **2 x5=10**

क) रघुवीर सहाय के किन्हीं दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।
ख) प्रेमचंद की समग्र कहानियां किस नाम से संग्रहित हैं?
ग) 'निबंध' किसे कहते हैं ?
घ) नागार्जुन पर लिखित अजय तिवारी की एक आलोचनात्मक कृति का नाम लिखिए।
ड़)परसाई जी के अनुसार व्यंग्य किसे कहते हैं?
च)भारतेंदु द्वारा संपादित दो पत्रिकाओं के नाम लिखिए।
छ) निबंध और नाटक के बीच के एक अंतर लिखिए।
ज) हरिमोहन और वैजनाथ सिंहल कृत एक आलोचनात्मक कृति का नाम लिखिए।

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** **5 x 3 =15**

क)जनता को सचमुच कुछ नहीं चाहिए।उसे जादू के खेल चाहिए।मुझे लगता है,ये दो छोटे-छोटे जादूगर रोज खेल दिखा रहे हैं।इन्होंने प्रेरणा इस देश के राजनेताओं से ग्रहण की होगी,जो छब्बीस सालों से जनता को जादू के खेल दिखाकर खुश रखे हैं,उन्हें तीन -चार घंटे खुश रखना क्या कठिन है।इसलिए अखबार में रोज फोटो देखता हूँ, किसी शहर में नये विकसित किसी जादूगर की।

ख)स्त्री का उतना ही अधिकार है,जितना पुरुष का।स्त्री क्यों अपने को इतना हीन समझे? पीढ़ी के बाद पीढ़ी आती है और स्त्री भी पुरुष की तरह ही बदलती रहती है।किसी वक्त स्वतंत्र नारियां भारत में रहा करती थीं।

ग)भाइयों अब तो नींद से जागो।अपने देश की सब प्रकार से उन्नति करो।जिसमें तुम्हारी भलाई हो वैसे ही किताब पढ़ो। वैसे ही खेल खेलो।वैसा बातचीत करो। परदेसी वस्तु और परदेसी भाषा का भरोसा मत रखो।अपने में, अपनी भाषा में उन्नति करो।

https://www.knuonline.com